अरावली सफारी पार्क परियोजना

[स्रोत: TH]

हरियाणा में प्रस्तावित अरावली सफारी पार्क, जिसमें होटल, रेस्तरां और वन्यजीव बाड़ा शामिल होंगे, भूजल, पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण पर इसके संभावित प्रभावों के कारण विवादास्पद है।

- **अरावली सफारी पार्क परियोजना:** यह **विश्व का सबसे बड़ा सफारी पार्क (लगभग 10,000 एकड़) है जिसका उद्देश्य पारिस्थितिकी पर्यटन और प्रतिपूरक वनीकरण** को बढ़ावा देना है।
  - **संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह पार्क** से प्रेरित होकर, ग्रेट निकोबार द्वीप में 26,000 एकड़ **उष्णकटिबंधीय वनों** की क्षति की पूर्ति हेतु **प्रतिपूरक वनरोपण** की योजना बनाई गई है।
  - इसका विकास केवल उन क्षेत्रों में किया जाएगा जहाँ **वन घनत्व 40%** से कम है।
  - **वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 को 2023** में संशोधित कर **'वन' गतिविधि** के अंतर्गत लाया गया तथा **वन क्षेत्रों में चिड़ियाघर** बनाने की अनुमति प्रदान की गई।
- **अरावली:** यह विश्व की **सबसे पुरानी वलित पर्वत शृंखला है तथा यह गुजरात, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में लगभग 690 किलोमीटर उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम** दिशा में फैली हुई है।
  - **यह पूर्व की ओर** मरुस्थलीकरण **को रोकने और भूजल को पुनः** भरने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - **दिल्ली से हरिद्वार** तक फैली अरावली की गुप्त शाखा, गंगा और सिंधु नदियों के जल निकासी को अलग करती है।
  - इसकी सबसे ऊँची चोटी **गुरु शिखर है जो माउंट आबू** (राजस्थान) पर **1,722 मीटर ऊँची है।**

और पढ़ें: अरावली के समक्ष गंभीर खतरे

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aravali-safari-park-project